सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 48 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 20 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जब मैं छोटा था तब मेरे बहुत सारे सपने थे, और मुझे लगता है उनमें से ज्यादातर इसलिए पनप पाए क्योंकि मुझे बहुत अधिक पढ़ने का मौका मिला।
-बिल गेट्स

जिद...सच की

आईपीएल के शुरुआती दो मैच में... 7 | आसान नहीं चार सौ सीटों का... 3 | समान विचारधारा वालों को एक... 2

मासूमों की हत्या के बाद यूपी की कानून व्यवस्था पर फिर उठा सवाल

बदायूं में बच्चों के लहूलुहान शव देख भड़के लोग

» पूरे विपक्ष ने योगी सरकार पर बोला हमला- पुलिस का कोई डर नहीं, अपराधी हो गए बेखौफ

» बीजेपी बोली- सिर्फ राजनीति कर रहा विपक्ष

» भीड़ ने घेरी पुलिस चौकी फूंकने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। बदायूं में दो मासूम बच्चों की हत्या के बाद से यूपी की योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लग गया है। इस जघन्य वारदात के बाद पूरे विपक्ष ने बीजेपी सरकार पर हमला बोल दिया है। सपा ने जहां कहा है कि प्रदेश में कहीं सुख चैन नहीं है बंदायू से लेकर बलिया तक अपराध बढ़ते जा रहे हैं, अपराधियों में पुलिस का डर खत्म हो गया है। वहीं कांग्रेस ने कहा है कि सरकार बड़ी-बड़ी बातें कर रही है पर अपराधी बेखौफ है बीजेपी नेता चनावों में व्यस्त हो गए हैं।

वहीं बीजेपी ने विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। बदायूं डबल मर्डर केस में मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी साजिद और उसके भाई जावेद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हालांकि एक आरोपी का एनकाउंटर कर दिया गया है। एफआईआर में लिखा गया कि आरोपी साजिद ने मेरी पत्नी से कहा कि उसे पैसे चाहिए क्योंकि उसकी पत्नी बच्चे को जन्म देने वाली है। उत्तर प्रदेश के बदायूं में डबल मर्डर ने बवाल मचा दिया। दो बच्चों की हत्या के बाद गुस्साए लोगों ने तोड़फोड़ और आगजनी भी कई। माहौल खराब होता देख कई थानों की पुलिस भी पहुंची। इलाके में पैरा मिलिट्री फोर्स को भी तैनात किया गया। हत्या के एक आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। दूसरे की तलाश भी जारी है।

आयुष-आहान का काटा गला

आईजी ने बताया कि आरोपी घर में गया और पहले बच्चों की दादी से मिला और उसके बाद उसने दूसरी मंजिल पर जाकर तीनों बच्चों पर हमला किया जिसमें दो बच्चों की मौत हो गयी जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका इलाज कराया जा रहा है और वह खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि घटना सिविल लाइंस थाने की मंडी पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर हुई घटना के बाद परिवार के सदस्यों और कुछ स्थानीय निवासियों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और एक मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इलाके में सुरक्षा तैनात करने का आदेश दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि साजिद इलाके में नाई की दुकान चलाता था और उसकी दुकान मृतक बच्चों के घर के काफी करीब स्थित है।

पीड़ित परिवार ने दर्ज कराई एफआईआर

बदायूं डबल मर्डर केस में मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी साजिद और उसके भाई जावेद के खिलाफ एफआईआर दर्ज़ की है। एफआईआर में लिखा गया कि आरोपी साजिद ने मेरी पत्नी से कहा कि उसे पैसे चाहिए क्योंकि उसकी पत्नी बच्चे को जन्म देने वाली है। जब वह पैसे लेने के लिए अंदर गई, तो उसने कहा कि वह अस्वस्थ महसूस कर रहा है और छत पर टहलने जाना चाहता है और मेरे बेटों (मृतक) को अपने साथ ले गया। उसने अपने भाई जावेद को भी छत पर बुला लिया। जब मेरी पत्नी लौटी तो उसने साजिद और जावेद को हाथों में चाकू लिए देखा। साजिद ने मेरे जीवित बेटे पर भी हमला करने की कोशिश की और उसे चोटें आईं। दोनों भाग रहे थे और साजिद ने मेरी पत्नी से कहा कि आज उसने अपना काम पूरा कर लिया है।

आरोपी के छुपे होने की आशंका में दुकान फूंकने पर हुए आमादा

साजिद ने दो बच्चों की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि उसके दो भाई घटना के समय घर के सामने सैलून चलाते थे। घटना के बाद मची अफरा-तफरी में कौन कहां भागा इसका किसी को पता भी नहीं है। लेकिन मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को बताया कि सामने बनी दुकान में एक आरोपी बंद है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

» केजरीवाल की याचिका पर 22 अप्रैल को सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा एजेंसी द्वारा उन्हें जारी किए गए कई समन को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा है। कोर्ट ने सुनवाई की तारीख 22 अप्रैल 2024 तय की है। इससे पहले मंगलवार को याचिका में केजरीवाल ने तर्क रखा कि सभी समन गैरकानूनी है और निचली अदालत की ओर से उनके खिलाफ नोटिस जारी किए जाने के बावजूद ईडी व सीबीआई बार-बार समन जारी कर रही है। यह मात्र राजनीतिक रूप से जारी किए गए है।

ईडी ने निचली अदालत में कहा था कि केजरीवाल को आठ बार समन जारी किया गया, लेकिन वे इसका अनुपालन नहीं करते हुए एक बार भी पेश नहीं हुए हैं। इसको लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। उस मामले में केजरीवाल अदालत में पेश होकर जमानत ले चुके हैं। केजरीवाल के खिलाफ नौवां समन हाल ही में जारी किया गया है। मजिस्ट्रेट की अदालत ने ईडी की दो शिकायतों पर समन जारी किया था। पहली शिकायत पर सुनवाई के दौरान अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मलहोत्रा ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि केजरीवाल ईडी के समन का सम्मान करने के लिए बाध्य हैं। धन शोधन के तहत समन जारी होने के बावजूद जांच में शामिल न होने बाद ईडी अदालत गई है।

आज से शुरू होगा चुनावों का संग्राम

» लोस चुनाव के पहले चरण के लिए अधिसूचना जारी

» 102 सीटों के लिए नामांकन शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज से देश में चुनावों के लिए संग्राम शुरू हो जाएगा। बुधवार से पहले चरण के लिए 27 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन की जांच 28 मार्च को की जाएगी और उम्मीदवारी वापस लेने की आखिर तारीख 30 मार्च है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह निष्पक्ष, स्वतंत्र और सुरक्षित लोकसभा चुनाव आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा चुनाव की पहले चरण के लिए अधिसूचना जारी हो गई है।

पहले चरण में 17 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव होने है। जिन सीटों पर लोकसभा चुनाव पहले चरण में होंगे उनके लिए नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत आज से हो गई है। बता दें कि इस बार देश भर में सात चरणों में लोकसभा चुनाव का आयोजन किया जा रहा है।

पहले चरण के लिए 19 अप्रैल, दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल, तीसरे चरण के लिए 7 मई, चौथे चरण के लिए 13 मई, पांचवें चरण के लिए 20 मई, छठें चरण के लिए 25 मई और सातवें चरण के लिए 1 जून को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 जून को आएंगे। आयोग ने निष्पक्ष, स्वतंत्र और सुरक्षित चुनाव की भरोसा दिया है।

पहले चरण में 7 राज्यों में चुनाव

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कुल सात राज्यों में चुनाव होने हैं। तमिलनाडु की 29, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की 8, मध्य प्रदेश की 6, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की 5-5, बिहार की 4, पश्चिम बंगाल की 3, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय की 2-2 और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुदुचेरी में की एक एक सीट पर चुनाव होने है।

समान विचारधारा वालों को एक साथ लाएंगे : अखिलेश

स्वामी प्रसाद मौर्य और वरुण गांधी को टिकट देने के दिये संकेत

» पीलीभीत के टिकट के लिए भाजपा के कदम का इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी की 80 सीटों पर बीजेपी को पटखनी देने की तैयारी में लग गए हैं। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार से जनता त्रस्त है वह इसबार बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि सपा उस हर व्यक्ति को अपने साथ जोड़ना चाहती है जो अन्याय के खिलाफ लंड़ने की सोच रहा है। इसी के तहत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में पार्टी से इस्तीफा देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को सपा से टिकट देने के संकेत दिए हैं। अखिलेश वरुण गांधी को भी टिकट दे सकते हैं।

अखिलेश ने स्वामी प्रसाद को टिकट देने के सवाल पर कहा कि क्या स्वामी प्रसाद कभी सपा छोड़कर गए थे? वहीं, जब उनसे पूछा गया कि आपने स्वामी प्रसाद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया तो वो बोले, हमारी कमेटी विचार कर रही होगी। मुझे इसकी जानकारी नहीं है। बीते दिनों स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश को लेकर नर्म रुख अपनाते हुए कहा था कि उन्हें अखिलेश से कुछ भी शिकायत नहीं है। माना जा रहा है कि इस बार भाजपा पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी या सुल्तानपुर से सांसद उनकी मां मेनका गांधी में से किसी एक को ही टिकट दे सकती है। इन्हीं समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सपा ने अभी तक पीलीभीत में किसी को टिकट नहीं दिया है। गांधी परिवार और सपा नेतृत्व के बीच रिश्ते अच्छे बताए जाते हैं।

सपा बदलेगी रामपुर और मुरादाबाद के प्रत्याशी!

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन बुधवार से शुरू होंगे, पर अभी तक सपा ने रामपुर, मुरादाबाद और पीलीभीत के टिकट फाइनल नहीं किए हैं। बताया जा रहा है कि रामपुर और मुरादाबाद का टिकट जेल में बंद पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां की सहमति के बाद घोषित किए जाएंगे। 2019 में मुरादाबाद से एसटी हसन और रामपुर से आजम खां जीते। पर, कुछ समय बाद आजम खां को एक मामले में कोर्ट ने तीन साल की सजा सुना दी। इससे आजम की सदस्यता चली गई। वर्ष 2022 में हुए उपचुनाव में भाजपा ने यह सीट सपा से छीन ली। वर्तमान में रामपुर से भाजपा के घनश्याम लोधी सांसद हैं। पहले चरण के चुनाव में आठ सीटें सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत शामिल हैं। इनमें से एकमात्र सहारनपुर सीट इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस के खाते में है। सपा अभी तक कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर व नगीना में अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। मुरादाबाद से एसटी हसन के अलावा दो-तीन विधायक भी टिकट मांग रहे हैं। पिछली बार भी एसटी हसन को टिकट आजम खां के कहने पर ही दिया गया था। सपा सूत्रों का कहना है कि रामपुर और मुरादाबाद में हमेशा की तरह इस बार भी आजम खां की राय को ही अहमियत मिलेगी। शीर्ष नेतृत्व उनसे संपर्क के बाद दोनों सीटों पर प्रत्याशी घोषित करेगा।

मेरठ में बदलेगा उम्मीदवार

सपा मेरठ में अपना प्रत्याशी बदल सकती है। यहां से भानु प्रताप सिंह को टिकट दिया गया है। सपा सूत्रों के मुताबिक, मेरठ से भानु प्रताप के स्थान पर किसी स्थानीय दलित नेता को टिकट दिया जा सकता है। कयास बिजनौर का टिकट बदलने के भी लगाए जा रहे हैं, लेकिन बिजनौर के सपा प्रत्याशी यशवीर सिंह ने इसे अपने विरोधियों की साजिश बताया है। उनका कहना है कि वह पूरी दमदारी के साथ चुनाव लड़ेंगे।

एमवीए की सफलता से डरी महायुति : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे महा विकास आघाडी (एमवीए) की सफलता से डरते हैं। दिल्ली में राज ठाकरे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच बैठक के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि अगर मनसे ,भाजपा नीत महायुति में शामिल होती है, तो इसका राज्य की राजनीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि यह घटनाक्रम एमवीए की सफलता के डर से हो रहे हैं।'राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग बहुत बुद्धिमान हैं और वे राज्य के खिलाफ रुख रखने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे। एमवीए में शिवसेना (यूबीटी) के अलावा कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अन्य घटक हैं। इससे पहले दिन में उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे ने अमित शाह से मुलाकात की। यह संकेत है कि भाजपा पश्चिमी राज्य में अपने गठबंधन का विस्तार करने के लिए मनसे को साथ लाना चाहती है।

मंदिर भी हुए योगी राज की अव्यवस्था के शिकार : अजय

» योगी सरकार हक तक नहीं दे पा रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अपने को मंदिरों व हिंदुत्व का ठेकेदार समझने वाली योगी सरकार के राज में मंदिरों की हालत बदतर है। ये अरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पे बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा इलाहाबाद उच्चन्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसले में चिंता जाहिर की है कि यह बहुत ही दुखद है कि मंदिरों को राज्य सरकार से अपना जायज हिस्सा लेने के लिए कोर्ट तक आना पड़ रहा है।

ठाकुर रंगजी महाराज विराजमान मंदिर मथुरा द्वारा सरकार के खिलाफ किये गये मुकदमें में उन्होंने कहा कि 01 जनवरी 2020 से उनका वर्षिक भत्ता जो यूपी जमींदार उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम 1950 के सेक्शन 99 के तहत निर्धारित है नहीं मिला रहा है, इतना ही नहीं उनके साथ साथ वृन्दावन के अन्य 8 मंदिरों को वार्षिक भत्ता नहीं मिला है। मुकदमा सुन रहे न्यायमूर्ति ने सरकार की इस दलील पर आश्चर्य प्रकट किया कि मंदिरों को पैसा फंड की कमी की वजह से नहीं दिया गया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्रअजय राय ने कहा कि जिस प्रदेश में मंदिरों को उनका जायज हक न मिल पा रहा हो वह राम राज्य की बात करते हैं यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। अपने चुनावी एजेंडे का साधने के लिए मंदिरों का इस्तेमाल करने वाली योगी सरकार उनको उनका हक तक नहीं दे पा रही है। पिछले चार साल से मंदिर प्रशासन अपना हक मांगने के लिए भटक रहा है और हर रोज हिंदुत्व का झंडा उठाने का दावा करने वाले योगी जी को मंदिरो के ही दुर्दशा की खबर नहीं है। यह झूठे लोग है और झूठी सरकार है। सच तो यह है कि यह किसी के नहीं है यह सिर्फ अपने फायदे के हैं। श्री राय ने कोर्ट का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस विफल सरकार में कोर्ट ही एकमात्र सहारा रह गया है।

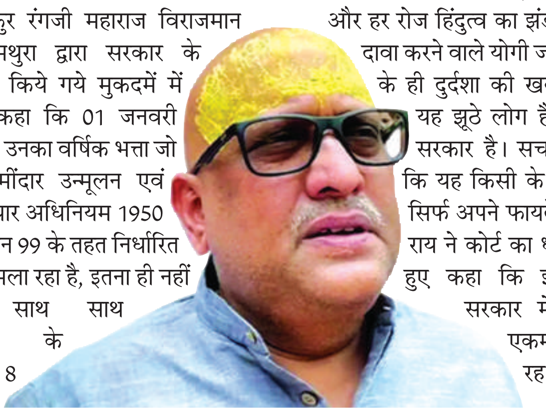

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

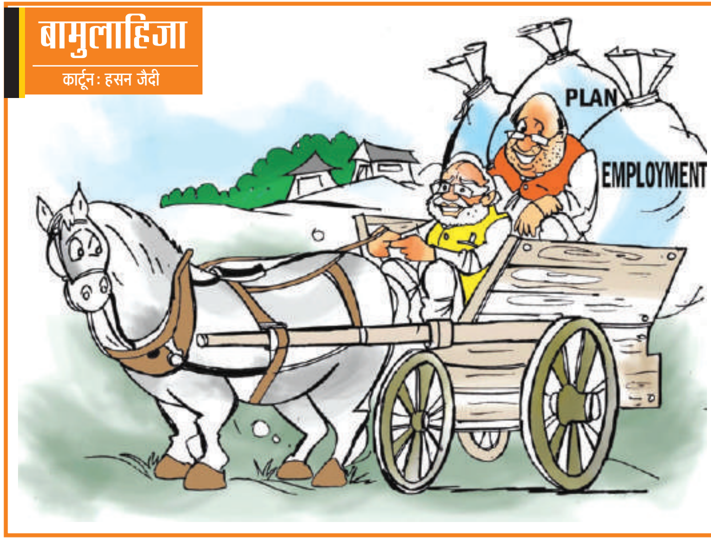

ठाकरे को चुराने का प्रयास कर रही भाजपा

» उद्धव बोले- महाराष्ट्र में मोदी के नाम पर वोट नहीं मिलते है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छत्रपति संभाजीनगर। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए एक ठाकरे को चुरानै की कोशिश करने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे की यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच दिल्ली में हुई एक बैठक के मद्देनजर आई है। उद्धव ठाकरे ने नांदेड़ जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनके चचेरे भाई को अपने साथ ले लेती है, तो वह इससे परेशान नहीं हैं।

राज ठाकरे की दिल्ली में शाह से मुलाकात के बाद उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर निशाना साधा है। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब ऐसी चर्चा है कि भाजपा महाराष्ट्र में अपने गठबंधन को बढ़ाने के लिए लोकसभा चुनाव में उनके साथ गठबंधन करना चाहती है। भाजपा अच्छी तरह से जानती है कि उसे महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर वोट नहीं मिलते हैं। लोग यहां (बाल) ठाकरे के नाम पर वोट करते हैं। इस अहसास ने भाजपा को बाहर (भाजपा) से नेताओं को चुराने की कोशिश करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भाजपा पर बाल ठाकरे की विरासत को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में नांदेड़ और हिंगोली जिलों के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर कहा,"पहले, उन्होंने बाल ठाकरे की तस्वीर चुराई, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आज, वे एक और ठाकरे को चुराने की कोशिश कर रहे हैं...इसे ले लो, मैं और मेरे लोग काफी हैं।

भाजपा के साथ थे तो हो रही थी छवि खराब

उन्होने कहा, जब हम भाजपा के साथ थे, तब शिवसेना (अविभाजित) की छवि खराब हो रही थी। लेकिन जब से हमने उनसे संबंध तोड़ा है, ईसाई और मुस्लिम समुदाय के सदस्य भी कह रहे है कि उन्हे हमारी हिदुत्व की विचारधारा से कोई दिक्कत नही है। जब शिवसेना अविभाजित थी, तब राज ठाकरे ने उद्धव के साथ अपने मतभेदो के कारण, उससे नाता तोड़ लिया था और 2006 मे मनसे की स्थापना की थी। हालांकि, उनकी मनसे ज्यादा प्रभाव नही छोड़ सकी, भले ही उन्हे एक शक्तिशाली वक्ता के रूप मे देखा जाता है और उनके समर्थको का एक आधार है। भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलो के नेताओ ने अतीत मे उत्तर भारतीयो के खिलाफ राज ठाकरे की विवादास्पद टिप्पणी की तीखी आलोचना की थी।

भाजपा सांसदों के खिलाफ आरोप पत्र लाएगी कांग्रेस : लवली

» कहा- बताएं क्या किया 10 साल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा के सांसदों ने 10 साल के दौरान कोई कार्य नहीं किया। इस कारण भाजपा ने छह सांसदों के टिकट काट दिए। भाजपा के सांसदों के कामकाज के संबंध में कांग्रेस आरोपपत्र जारी करेगी जिससे जनता को अवगत कराया जाएगा। भाजपाई 100 दिनों की कार्ययोजना बताकर जनता को गुमराह करने की जगह अपने सांसदों के कामकाज का ब्योरा दे।

लवली ने केंद्र सरकार के अस्पताल खुलवाने की घोषणा पर सवाल किया कि क्या भाजपा सरकार ने दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में एक भी नया अस्पताल नहीं बनवाया। कांग्रेस सरकार ने मेट्रो फेज-तीन के लिए 112 किमी की मंजूरी दिलाई थी जिसका काम 2015 तक पूरा होना था, लेकिन केंद्र की नाकामियों के कारण 2024 तक सिर्फ 50 प्रतिशत काम ही पूरा हो सका है। सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण कांग्रेस की शीला सरकार ने किया जिसका श्रेय सांसद ले रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 2019 तक प्रत्येक सांसद को तीन-तीन गांव और 2024 तक पांच-पांच गांव गोद लेने थे।

आसान नहीं चार सौ सीटों का लक्ष्य

कांग्रेस बोली- 2004 की तरह न हो जाए हाल

- बीजेपी के दावे पर विपक्ष का हमला
- टूट रहें हैं राजग के सहयोगी
- अतिउत्साही भाजपा को पड़ न जाए भारी
- भारत उदय का नहीं चला था नारा, मोदी की गारंटी भी हो सकता है फुस्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों की रणभेरी बज चुकी है। सियासी पार्टियां ने जनता के बीच जाना शुरू कर दिया है। हर नेता अपनी पार्टी की योजनाएं आमजन के सामने रखने लगा है। जहां सत्ता पर काबिज बीजेपी की राजग गठबंधन ने अपने दस साल के कार्यकाल का बखान करना शुरू कर दिया हैं वहीं विपक्ष ने उसके दावे को हवा हवाई बता कर उस पर हमला शुरू कर दिया है। भाजपा के छोटे से लेकर बड़े नेता ने इस बार 400 के पार के नारे के साथ चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है। उधर उसे दावे को उसी के सहयोगी हवा निकाल रहे हैं। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक सीटों को लेकर बीजेपी निशाने पर है।

इन सबे बीच चर्चा ये भी है मोदी को 400 के पार का नारा आने वाले चुनाव गलत साबित होगा। विपक्ष का कहना हैं कि 2004 में भी इंडिया शाइनिंग नाम से कैंपेनिंग चलाई थी पर जब चुनावों के परिणाम आए तो बीजेपी को अपनी सत्ता गंवानी पड़ी थी। सियासी गलियारे में यह चर्चा है कि अति उत्साह में आकर भाजपा कहीं 2004 के चुनावों के दौरान वाली गलती ना कर दे। इसी के मद्देनजर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश बदलाव चाहता है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गारंटी का वही हश्र होने जा रहा है जो 2004 में इंडिया शाइनिंग (भारत उदय) नारे का हुआ था। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में यह भी कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के घोषणा पत्र को घर-घर तक ले जाना होगा।

अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था। एक कहानी है, देवराज इन्द्र के गजराज अक्सर गन्ने खाने के लिए पृथ्वीलोक पर एक खेत में आते थे। उस खेत का मालिक बहुत परेशान था, क्योंकि फसल का नुकसान तो होता परन्तु उसे चोर के कहीं पदचिन्ह नहीं मिलते। एक रात गुस्साया किसान चोर को पकड़ने के लिए खेत में छिप कर बैठ गया, जब गजराज धरती पर उतरे तो किसान ने उस एरावत की पूंछ पकड़ ली। गजराज घबरा गए और जान बचाने के लिए तुरन्त इन्द्रलोक की ओर उड़ लिए और उसके साथ-साथ किसान भी पूंछ पकड़े उड़ चला। गजराज को चिन्ता हो गई कि जीवित व्यक्ति स्वर्गलोक पहुंचा तो सारी मर्यादा भंग हो जाएगी, तो उसने अपनी पूंछ मुक्त करवाने के लिए खूब मेहनत की। गजरात उड़ते-उड़ते कभी उल्टा-पुल्टा हुए तो कभी शरीर को झटकाया, लेकिन ज्यों-ज्यों झटके लगे किसान की पकड़ त्यों-त्यों मजबूत होती जाए। अब गजराज ने युक्ति से काम लिया और रणनीति बदली। उसने किसान से बातचीत करनी शुरू कर दी। एरावत ने पूछ लिया कि तुम इतने मीठे गन्ने उगाते कैसे हो? अपनी बड़ाई सुन फूल कर कुप्पा हुए किसान ने सारी तकनीक बता दी। बातचीत करते-करते दोनों में मित्रता हो गई। मौका देख कर एरावत ने कहा, आज तक जितने गन्ने मैंने तुम्हारे खेत के खाए हैं चलो मैं महाराज इन्द्रदेव से बोल कर उतना सोना तुम्हें पुरस्कार में दिलवा देता हूं। सोने का नाम सुनते ही किसान इतना खुश हुआ कि ताली बजाने लगा, उसने जैसे ही ताली बजाने के लिए हाथ खोले तो धड़ाम से धरती पर आ गिरा और गजराज महोदय स्वर्गलोक को प्रस्थान कर गए। जो किसान हाथी के साथ संघर्ष के समय विकट परिस्थितियों में भी उसकी पूंछ पकड़े रहा वह अनुकूल परिस्थिति होते ही धड़ाम से धरती पर आ गिरा। प्रतिकूल परिस्थितियों के खतरे तो सर्वज्ञात हैं परन्तु कहानी बताती है कि अनुकूल हालात भी खतरे से खाली नहीं होते, प्रतिकूल हालातों में इंसान संघर्ष करता है परन्तु महौल बदलते ही अक्सर असावधान हो जाता है और यहीं चूक कर जाता है।

पीएम मोदी ने संभाला खुद ही मोर्चा

परिस्थितियों से ही तो उत्साहित हो कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार चार सौ पार का उत्साही नारा दिया है, सत्ताधारियों की दृष्टि से हर कहीं बम-बम है, बस यहीं से शुरू हो सकता है अनुकूल परिस्थिति के खतरे पैदा होने का क्रम। अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था, अर्थव्यवस्था व विकास तब भी मृगझुण्डों के साथ चुंगियां भरने की स्पर्धा कर रहे थे परन्तु पार्टी की दृष्टि से परिणाम निराशाजनक रहे। छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गान्धी ने राजग को ऐसी पटकनी दी कि अगले दस साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही। माना कि इस तरह की चेतावनी पहली बार नहीं दी जा रही और भाजपा नेतृत्व इस प्रकरण से कुछ सीखा नहीं होगा परन्तु इसके बावजूद भी पार्टी को संघर्ष के मार्ग को हर हालत में पकड़ कर रखना होगा। वैसे भी मोदी-शाह की जुगलबन्दी और अटल-आडवाणी की जोड़ी की कार्यप्रणाली में गांधी जी व सरदार पटेल जैसी भिन्नता सर्वज्ञात है और विपक्ष की डांवाडोल हालत में 2004 दोहराया जाना फिलहाल सम्भव नहीं लगता परन्तु भाजपा को अपनी संघर्षमयी कार्यप्रणाली को बनाए रखना होगा।

भाजपा के समर्थन से नींद उड़ी : मोदी

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का मिशन दक्षिण जारी है। केरल में रोड शो करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तमिलनाडु पहुंचे। तमिलनाडु के सेलम में उनका स्वागत किया गया। पीएम मोदी यहां एक सार्वजनिक सभा में शामिल हुए। इस सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक पर जमकर निशाना साधा है। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए को जो समर्थन मिल रहा है उसने द्रमुक की नींद उड़ा दी है। सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, %तमिलनाडु में भाजपा को मिल रहा जनसमर्थन पूरा देश देख रहा है। एनडीए और मोदी को ये जो जनसमर्थन मिल रहा है, इसने द्रमुक सरकार की नींद उड़ा दी है। उन्होंने आगे कहा, अब तमिलनाडु ये तय कर चुका है कि 19 अप्रैल को एक-एक वोट बीजेपी को जाएगा, एनडीए को जाएगा।

विपक्ष बिगाड़ सकता है बीजेपी का खेल

चाहे कांग्रेस कमजोर दिख रही है परन्तु तृणमूल कांग्रेस, सपा, डीएमके, एआईएडीएमके, बसपा, आम आदमी पार्टी, पीडीपी, नेशनल कान्फ्रेंस सहित अनेक क्षत्रप अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूती के साथ पांव जमाए हुए हैं। कहीं-कहीं इण्डिया गठजोड़ के प्लेटफार्म पर मिल कर ये सूबेदार भाजपा की कड़ी परीक्षा लेने वाले हैं। दूसरी ओर विकसित और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर बढ़ रहा भारत बहुत-सी शक्तियों के आंखों की किरकिरी बना हुआ है। जो भारत दुनिया हथियारों की दुनिया का सबसे बड़ा आयातक था वो आज सैन्य सामग्री निर्यात करने लगा है, भला देसी-विदेशी शस्त्रलॉबी इसे कैसे बर्दाश्त कर सकती है? प्रतिबन्ध के बाद से देश में जिन लाखों विदेशी एनजीओ की दुकानदारी बन्द हो गई क्या वे सत्ता परिवर्तन नहीं चाह रही होंगी? इन सबके मद्देनजर भाजपा को कार्यपद्धति पर चलते हुए पूरी शक्ति के साथ चुनावों में उतरना होगा और अनुकूलता के खतरों से सावधान रहना होगा।

विश्वसनीयता जरूरी, चुनावी प्रक्रिया का मुख्य पिलर है चुनाव आयोग

एसवाई कुरैशी ने कहा कि जनमानस के लिए कोर्ट अंतिम भरोसे के तौर पर देखी जाती हैं। जब प्रत्येक जगहों से उम्मीदें धूमिल हो जाती हैं, तो कोर्ट ही ऐसी जगहें होती हैं जहां से उम्मीदें जन्म लेती हैं। मैं हमेशा से इस पक्ष में रहा हूं कि सीजेआई की दखल महत्वपूर्ण समितियों में ज्यादा से ज्यादा होना चाहिए।विगत कुछ वर्षों से मुख्य चुनाव आयोग की कार्यशैली सवालों के घेरे में हैं। कहने में गुरेज नहीं होगा कि पर्दे की आ? लेकर आयोग के भीतर तक राजनीतिक दखल अब होने लगा है। कुछ वर्षों में ऐसे तमाम बदलाव दिखे, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। चुनावी चंदा और दानदाताओं की पहचान को छुपाना, सरकारों के मुताबिक चुनावी तारीखों का एलान होना, नियमानुसार सत्तापक्ष पर कार्रवाई न होना, जैसे अनगिनत राजनीतिक हादसे उभरकर सामने आए हैं। चुनावों में कई जगहों पर नेताओं की गा?ियों में ईवीएम मशीनों की बरामदगी का होना भी सवालों के घेरे में आया। ऐसे में भला कोई कैसे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विश्वास कर पाए? विपक्षी दल तो कई सालों से आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता पर सवाल उठा ही रहे हैं, अब ये मुद्दा सकों से लेकर गांव-गलियों तक पहुंच गया है।

कार्यकताओं के सहारे सियासी पार्टियां

देश में केवल भाजपा व वामदलों को ही कार्यकर्ता आधारित दल होने का श्रेय प्राप्त है। कार्यकर्ता के गुणों की पहचान, कार्यकर्ता निर्माण, उसे रुचि व क्षमता अनुसार काम और पूरा सम्मान व इसके साथ जनता से निरन्तर सम्पर्क भारतीय जनता पार्टी की प्रमाणिक कार्यप्रणाली मानी जाती है। पालने से लेकर पार्लियामेण्ट तक पार्टी इसी पद्धति से आगे बढ़ी है। आज चाहे भाजपा को लक्ष्य सरल लग रहा है परन्तु मार्ग इतना भी आसान नहीं है कि लोकसभा में चार सौ सदस्यों को बिना संघर्ष किए शपथ दिलवाई जा सके।

देश बदलाव चाहता है : खरगे

खरगे ने कहा कि देश बदलाव चाहता है। मौजूदा सरकार की गारंटी का वही हश्र होने जा रहा है जो 2004 में इंडिया शाइनिंग नारे का हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि इसीलिए कांग्रेस का घोषणापत्र 1926 से देश के राजनीतिक इतिहास में भरोसे का दस्तावेज बना हुआ है। कांग्रेस का घोषणा पत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की अध्यक्षता वाली समिति ने तैयार किया है। खरगे के अनुसार, समिति ने प्रयास किया कि हमारा घोषणा पत्र सिर्फ अकादमिक कवायद न रहे, बल्कि उसमें व्यापक जन भागीदारी हो। इसके लिए संपर्क और संवाद किया गया। वेबसाइट आवाज भारत की के जरिये लोगों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे। लोकसभा चुनाव - बीजेपी के 400 पार के दावे में कितना दम? इन 5 प्वाइंट में साफ हो जाएगी पूरी तस्वीर।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सरकार के दावे हकीकत से कोसों दूर!

एक खबर आई जिसका संज्ञान नहीं लिया गया है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि प्रदूषण के मामले में भारत दुनिया का तीसरा सबसे गंदा देश बन गया है। इस खबर के बाद सवाल यह उठता है कि सरकार बड़े-बड़े दावे कर रही है कि वायु की स्वच्छता के लिए कई काम किए जा रहें है। तो फिर ये रिपोर्ट क्यों आ रही है इसका मतलब सरकार के दावे हकीकत से कोसों दूर है। अगर ऐसा है तो यह मानवीय मल्यों को क्षणीकरण कहलाएगा। नीति निर्माताओं को चाहिए कि वह इस बात को सुनिश्चित करे कि मनुष्य की जरूर की चीजों जैसे हवा, पानी व मिट्टी शुद्ध रूप में ही उसे मिले क्योंकि वह उसके जीवन से जुड़े होते हैं। गौरतलब हो कि स्विस संगठन आईक्यू एयर ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 सामने आई है। इस रिपोर्ट की मानें तो औसत सालाना पीएम 2.5 के आधार पर भारत 2023 में सबसे अधिक प्रदूषित होने की सूची में तीसरे नंबर पर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली ने एक बार फिर से सर्वाधिक प्रदूषित शहर होने में बाजी मार ली है।

दुनिया भर के प्रदूषण पर हाल ही में आई एक रिपोर्ट में दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाली राजधानी के तौर पर पेश किया गया है। वहीं दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बिहार का बेगुसराय है। बांग्लादेश और पाकिस्तान क्रमशः पहले और दूसरे नंबर पर रहे है। वर्ष 2022 में भारत में पीएम 2.5 औसतन 53.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया था। इस दौरान भारत सबसे प्रदूषित होने की सूची में आठवें नंबर पर था। वहीं 2023 की सूची में भारत तीसरे नंबर पर है, यानी देश में प्रदूषण का स्तर और अधिक बढ़ गया है। भारत 2023 में 134 देशों में से तीसरा सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला देश रहा। सबसे प्रदूषित राजधानी है दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली लगातार 2018 से दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। वहीं इस वर्ष बेगुसराय दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना है, जहां 118.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की औसत पीएम 2.5 सांद्रता देखने को मिली है। इस रिपोर्ट की मानें तो भारत में 1.36 अरब लोगों को पीएम 2.5 का अनुभव करना पड़ता है। बता दें कि बेगूसराय औसतन 118.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की पीएम2.5 सांद्रता के साथ वैश्विक स्तर पर सबसे प्रदूषित महानगर दर्ज किया गया है जबकि 2022 की रैंकिंग में इस शहर का नाम भी नहीं था। यहां विचार करने वाली बात यह है कि इन सब रिपोर्ट को खारिज करने की वजाए इन पर गंभी मंथन जरूरी है। साथ ही ऐसे मामलों में सरकार ही नहीं आम जन की भी जिम्मेदारी है कि वह प्रदूषण करने से बचे और अपने पर्यावरण को शुद्ध रखने में अपना योगदान दें ।

"गौरतलब हो कि स्विस संगठन आईक्यू एयर ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 सामने आई है। इस रिपोर्ट की मानें तो औसत सालाना पीएम 2.5 के आधार पर भारत 2023 में सबसे अधिक प्रदूषित होने की सूची में तीसरे नंबर पर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली ने एक बार फिर से सर्वाधिक प्रदूषित शहर होने में बाजी मार ली है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मूल्य अंतर राहत के बजाय मिले गारंटीशुदा कीमत

देविंदर शर्मा

सबसे पहले, अच्छी खबर। राजनीति को एक तरफ रखते हुए, छत्तीसगढ़ के किसानों के पास खुश होने के लिए पर्याप्त कारण हैं। गत 12 मार्च को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के 24.72 लाख धान किसानों के बैंक खातों में 13,320 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। यह राशि धान किसानों को कमीपूरक भुगतान के रूप में देय थी। पिछले चुनावों से पहले किए गए वादे के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा ने खरीफ 2023-24 सीजन के लिए कॉमन ग्रेड धान के लिए 2,183 रुपये प्रति क्विंटल और ए ग्रेड धान के लिए 2,203 रुपये के खरीद मूल्य पर प्रत्येक किसान से 21 क्विंटल धान खरीदा था। 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के खरीद मूल्य के वादे और केंद्र द्वारा एमएसपी मूल्य पर खरीद के वादे के बीच 917 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर अब किसानों के खाते में डाल दिया गया है।

यानी प्रतिवर्ष औसत किसान की आय में 1 लाख रुपये की वृद्धि होगी। इस साल लगभग 147 लाख टन की रिकॉर्ड खरीद के साथ, किसान निश्चित रूप से बहुत उत्साहित हैं। हालिया स्थितिजन्य आकलन सर्वे के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एक किसान परिवार की औसत मासिक आय 9, 677 रुपये है। इसलिए प्रतिवर्ष करीब 1 लाख रुपये की अतिरिक्त आय किसान परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा गत 14 मार्च को नई दिल्ली में संपन्न किसान महापंचायत ने सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग को जारी रखने का संकल्प लिया है। स्वामीनाथन के सी2+50 प्रतिशत फार्मूले के अनुसार एमएसपी की गणना की मांग के मुकाबले, छत्तीसगढ़ सरकार ने 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का खरीद मूल्य का भुगतान किया है, जो असल में डॉ. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग द्वारा की गयी सिफारिश से भी अधिक है। दूसरी ओर, किसान यूनियनें कहती रही हैं कि कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा तय किए गए एमएसपी 2,183 रुपये प्रति क्विंटल पर देशभर में धान की खरीद 2+50 प्रतिशत फार्मूले के जरिये की जाती है।

ए2 जेब खर्च है जो किसानों द्वारा फसल उत्पादन में खर्च होता है और एफएल का मतलब पारिवारिक श्रम की आंकी गयी लागत के रूप में है। लेकिन अगर एमएसपी को स्वामीनाथन के सी2+50 प्रतिशत के फार्मूले (सी2 का मतलब व्यापक लागत) के अनुसार तैयार किया जाता है, तो खरीफ 2023-24 सीजन के लिए धान की कीमत 2,886.50 रुपये प्रति क्विंटल बन जाती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने वास्तव में इस विपणन सीजन में धान किसानों को जो भुगतान किया है, वह सी2+50 प्रतिशत की सिफारिश के बराबर नहीं है, बल्कि वास्तव में सी2+60 प्रतिशत से अधिक बनता है। यह बढ़ी हुई कीमत राज्य चुनावों से पहले एक रस्साकशी का नतीजा है। इस होड़ में आगे रहने की कोशिश में, कांग्रेस ने 3,200 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीदने का वादा किया था, प्रत्येक किसान से 20 क्विंटल खरीद के साथ, जबकि भाजपा ने 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का वादा किया था, लेकिन प्रत्येक एकड़ से खरीदे गए 21 क्विंटल के लिए कीमत सुनिश्चित की थी। यहां पिछली कांग्रेस सरकार के प्रति निष्पक्ष होने के लिए, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि छत्तीसगढ़ देश के बाकी भागों, केरल को छोड़कर, के मुकाबले धान की काफी अधिक कीमत चुका रहा था। साल 2022-23 खरीफ सीजन के लिए, भूपेश बघेल की सरकार ने किसानों को खरीद मूल्य के अतिरिक्त 9000 रुपये प्रति एकड़ की इनपुट सब्सिडी का भुगतान किया था। आगामी महीनों में, छत्तीसगढ़ में धान किसानों को दिये जाने वाले ऊंचे रेट अन्य जगहों पर धान किसानों के एकजुट होने के लिए एक मुद्दा बन जाएंगे। यह देखते हुए कि हर साल 23 फसलों के लिए घोषित एमएसपी पूरे देश में एक समान है, मांग यह होगी कि छत्तीसगढ़ मॉडल के सी2+60 प्रतिशत के आधार पर धान की कीमत में एकरूपता लाई जाए। रोचक यह है कि धान के लिए प्रदान किये जा रहे एमएसपी और सी2+50 लागत, जिसकी मांग किसान यूनियनें कर रही हैं, के बीच अंतर प्रति क्विंटल 683.5 रुपये बनता है।

यूनियनें कहती हैं कि औसत उपज 25 क्विंटल प्रति एकड़ मानते हुए, अगर धान स्वामीनाथन के मूल्य निर्धारण फार्मूले पर खरीदा जाता है तो इसका मतलब होगा किसानों के लिए अतिरिक्त 17,075 रुपये प्रति एकड़, खासकर पंजाब जैसे राज्य में, जहां मंडियों में पूरी फसल की आवक होती है। लेकिन छत्तीसगढ़ में धान के रेट (सी2+60) के हिसाब से देखें तो मौजूदा एमएसपी के साथ अंतर जिस पर केंद्र सरकार द्वारा खरीद की गयी है, वह तुलनात्मक रूप से 917 रुपये प्रति क्विंटल है। कीमतों का मतलब है धान के रेट में तुलनात्मक तौर पर सी2+50 लागत से प्रति क्विंटल 234 रुपये अधिक की बढ़ोतरी।

देश की खुशहाली के सूचकांक में भी हो वृद्धि

सुरेश सेठ

हम पांचवीं आर्थिक महाशक्ति से तीसरी और फिर दुनिया की पहली आर्थिक महाशक्ति 2047 तक बनने का सपना भी संजोए हैं। खबर है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर पांच वर्ष तक चीन से तेज रहेगी। 2028 तक 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर भारत हासिल कर सकता है। यह बात अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कही है। भारत ने विश्वव्यापी आर्थिक मंदी को छका दिया। देखते ही देखते भारत न केवल डिजिटल हो गया बल्कि इंटरनेट की ताकत में उसका कोई जवाब नहीं। वे दिन गए जब भारत को अल्पविकसित देश मानकर उपेक्षित कर दिया जाता था। आज भारत उच्च मध्यवर्ग की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। साक्ष्य के लिए कहा जाता है कि पिछले एक-दो साल के लोगों का उपभोग तेवर देख लीजिए। सबसे अधिक खरीदारी बड़ी कारों और बड़े फ्लैटों की हो रही है।

चाहे इसके बरक्स देश की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए मांग कम प्राप्त हो रही है। शायद इसका कारण यह है कि देश की बहुत बड़ी आबादी जीवन निर्वाह से भी निचले स्तर पर जीती है और महंगाई की वजह से वह अधिक मांग करने के काबिल नहीं। लेकिन निजी क्षेत्र की अभूतपूर्व तरक्की के कारण सारी मांग उच्च मध्यवर्ग की वस्तुओं पर केन्द्रित हो गई है। हमारे विचार में यह एक असंतुलित मांग का पैमाना है। लेकिन इस कृषि प्रधान देश में कृषि की विकास दर उत्साहजनक नहीं है। इसके अलावा मूलभूत आर्थिक ढांचे के विकास के लिए बुनियादी उद्योगों के विकास की जरूरत होती है। नये आंकड़े बता रहे हैं कि बुनियादी उद्योगों की तरक्की में वह चमक नजर नहीं आ रही है जो स्थाई रूप से विकसित एक देश में होनी चाहिए। हम जो भी तरक्की देख रहे हैं, उसके मूल में तीन क्षेत्र हैं, सेवा क्षेत्र, पर्यटन क्षेत्र और इसके अतिरिक्त आईटी सॉफ्टवेयर क्षेत्र। लेकिन वहां तरक्की के आसार नहीं बल्कि छंटनी के अवसर पैदा हो रहे हैं। और सेवा क्षेत्र में भी सुस्ती नजर आ रही है। जबकि सेवा क्षेत्र से ही हमें मिलता है रोजगार।

देखते ही देखते भारत न केवल डिजिटल हो गया बल्कि इंटरनेट की ताकत में उसका कोई जवाब नहीं। वे दिन गए जब भारत को अल्पविकसित देश मानकर उपेक्षित कर दिया जाता था। आज भारत उच्च मध्यवर्ग की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। साक्ष्य के लिए कहा जाता है कि पिछले एक-दो साल के लोगों का उपभोग तेवर देख लीजिए। सबसे अधिक खरीदारी बड़ी कारों और बड़े फ्लैटों की हो रही है। चाहे इसके बरक्स देश की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए मांग कम प्राप्त हो रही है।

बार-बार घोषणा करने के बावजूद हम अपने देश में लघु और कुटीर उद्योगों का विकास नहीं कर पाए जो कि रोजगारपरक उद्योग होते हैं। इसके साथ ही हम खेतीबाड़ी को फसलों के फिनिश प्रोडक्ट्स यानी विनिर्माण उद्योग के साथ भी जोड़कर कस्बों में एक नई औद्योगिक दुनिया नहीं बसा पाए, जो छोटे उद्योगपतियों की दुनिया हो और बहुत लोगों को रोजगार दे। अब सेवा क्षेत्र की यह सुस्ती खेतीबाड़ी में अपेक्षित वृद्धि का न होना और बुनियादी उद्योगों के विकास में चमक का अभाव किसी आसन्न संकट की ओर इशारा भी कर सकता है कि यह 8 प्रतिशत विकास दर स्थायी नहीं। कहा जा रहा है कि हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर कर दिया। यह भी कहा जा रहा है कि बेरोजगारी का आंकड़ा कम होकर 3.1 प्रतिशत पर आ गया है लेकिन नई शिक्षा प्राप्त युवकों को सेवा क्षेत्र और आईटी क्षेत्र में छंटनी का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग क्षेत्र का प्रदर्शन भी इस वर्ष की तीसरी तिमाही में उत्साहजनक नहीं। यदि देश के मूल धंधे कृषि में अपेक्षित विकास प्राप्त नहीं कर पाते, उद्योगों में वह तरक्की नहीं मिलती कि जो बेकारों को रोजागर दे सके। आज भी भारत आयात आधारित अर्थव्यवस्था है, निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था नहीं बन पाया। इसलिए जरूरी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की आर्थिक प्रवृत्ति की पहचान की जाए। यह समझा जाए कि हमारा मूल धंधा खेतीबाड़ी है। आज भी देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या खेतीबाड़ी में लगी हुई है लेकिन सकल घरेलू उत्पादन या जी.डी.पी. में इसका योगदान घटकर केवल 17 प्रतिशत क्यों हो गया, यह बात सोचने योग्य है। इसका कारण यह है कि आज भी जोतें 2 एकड़ से नीचे और अनार्थिक हैं। हमने सहकारी खेती का वह मूलमंत्र अभी तक सीखा नहीं, जिसने इसराइल में कायाकल्प कर दिया था। सवाल है श्रमशक्ति का उचित इस्तेमाल देश में क्यों नहीं होता? क्यों इस श्रमशक्ति का एक बड़ा हिस्सा विदेशों में पलायन को विवश है। जरूरत देश को अपनी प्राथमिकताएं बदलने की हैं। केवल आर्थिक विकास दर के ऊंचा होने के परिणाम ही देश के जन-जन का संकट नहीं हरेंगे। यहां खेतीबाड़ी और छोटे उद्योगों को भी पूरा प्रोत्साहन देना होगा। खेती के मूल ढांचे में परिवर्तन नहीं हुआ।

किसान फसलचक्र की गुलामी से निजात नहीं पा सका और फसलों का विविधीकरण उसके लिए अभी तक लाभप्रद नहीं। इसीलिए किसान अपनी जमीन से उखड़ता जा रहा है। उद्योग-धंधे या हमारे निवेशक वह प्रतिदान नहीं कर पा रहे जिसकी उम्मीद किसी भी विकासशील देश को होनी चाहिए। देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी है। देश की आधी जनसंख्या युवा है। इसे असमय बूढ़ा न होने दिया जाए। सबको यथोचित काम-धंधे का प्रबंध ही हमारी आर्थिक नीति की वह प्राथमिकता होगी, जिसे अपनाने के बाद हम खुशहाली के सूचकांक में वास्तव में दो कदम आगे बढ़ जाएंगे।

होली में घर पर तैयार करें साबूदाना के पापड़

व्रत में भी कर सकते हैं सेवन

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें हर कोई एक ही रंग में रंग जाता है। होली खेलने के बाद लोग एक-दूसरे के घर बधाई देने जाते हैं। ऐसे में लोग अपने घरों में तरह-तरह के पकवान तैयार करके रखते हैं। इन पकवानों में गुजिया, नमकीन, सेव, मठरी आदि चीजें शामिल होती हैं। इन सभी चीजों के अलावा होली पर चिप्स पापड़ बनाने की प्रथा भी है। हर घर में होली से पहले लोग तमाम तरह के चिप्स और पापड़ तैयार करते हैं। साबूदाना का पापड़ बनाना बेहद आसान है और इसे आप एक बार बनाकर लंबे समय तक स्टोर करके रख सकते हैं। इसकी सबसे खास बात ये है कि इनका सेवन आप व्रत-उपवास में भी कर सकते हैं।

सामान

साबूदाना – 1 कप, जीरा, सेंधा नमक – स्वादानुसार।

विधि

वैसे तो साबूदाना के पापड़ बनाना बेहद ही आसान है, लेकिन इसे बनाने की विधि सही तरह से पूरी करना बेहद जरूरी है। साबूदाना के पापड़ बनाने से पहले कई बार साबूदाना को अच्छी तरह से धो जरूर लें। साबूदाना धोने के बाद एक बड़े कटोरे में साबूदाना से तीन गुना पानी डालकर इसे भिगो कर रख दें। दो से तीन घंटे के बाद जब ये सही तरह से फूल जाए तो एक बड़े भगोने में पानी लेकर उसे उबालना शुरू करें। जब पानी में उबाल आ जाए तो इसमें भिगो कर रखा गया साबूदाना डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें नमक और जीरा भी डालकर इसे मिक्स करें। ध्यान रखें कि इसे लगातार चलाते रहेंगे, तभी ये सही से पकेगा। अगर इसे चलाएंगे नहीं तो ये नीचे चिपक सकता है। जब ये घोल एकदम सफेद हो जाए तो गैस बंद कर दें। अब एक बड़ी पॉलीथीन लेकर चमचे की मदद से गोल-गोल पापड़ बना लें। पापड़ बनने के बाद दो से तीन दिन की तेज धूप में इसे सुखा लें। जब से सही से सूख जाए तो इसे तेल या घी में तलकर आप इसका स्वाद ले सकते हैं। इसमें आपने सेंधा नमक डाला है। ऐसे में आप इसका सेवन व्रत में भी कर सकते हैं।

मोटापा कंट्रोल करना है तो खाएं मोठ की चाट

शाम को लगने वाली भूख मिटाने के लिए दिल तो समोसे-पकौड़े पर ही जाकर रुकता है। डीप फाइड आइटम के बिना शाम की स्नैकिंग पूरी कहां होती है, लेकिन ये चीजें खाने में जितनी मजेदार लगती है, उतनी ही अनहेल्दी होती हैं। इन्हें खाने से वजन और बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है जिससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। इसलिए बहुत जरूरी है आप क्या खा रहे हैं इस पर ध्यान देना। मोठ प्रोटीन, विटामिन और कई सारे मिनरल्स से भरपूर होती है। जिसे खाने से सेहत को कई सारे फायदे मिलते हैं।

सामग्री

1/2 कप (100 ग्राम) मोठ दाल, 1 मीडियम साइज का उबला आलू, 1 टमाटर छोटे टुकड़ों में कटा हुआ, 1 बारीक हरी मिर्च कटी हुई, 1/4 छोटा चम्मच-हल्दी पाउडर, 3/4 छोटा चम्मच काला नमक, स्वादानुसार नमक, 3/4 छोटा चम्मच चाट मसाला, 1/2 छोटा चम्मच भुना जीरा, 2 चम्मच हरी चटनी, नींबू 1/2 टुकड़ा, हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच।

विधि

मोठ को बनाने से एक रात पहले पानी में भिगो दें। सुबह ये अच्छी तरह फूल जाती है। ध्यान दें मोठ से दोगुनी मात्रा पानी की रखनी है। अंकुरित होने के लिए अगले दिन इसे पानी से निकालकर गीले तौलिये में लपेट कर कहीं टांग दें या फिर छलनी पर रख दें। चाट बनाने के लिए मोठ को हल्का उबालना है, जिससे ये थोड़ा नरम हो जाए। इसके लिए एक बर्तन में दो कप पानी लें, उसमें नमक और हल्दी थोड़ी-थोड़ी मात्रा में मिलाएं और अंकुरित मोठ डालकर पांच मिनट उबाल लें। 5 मिनट के बाद, गैस बंद कर दें। ज्यादा उबालने से खाने में मजा नहीं आता। उबले हुए मोठ को एक बाउल में निकाल लें। चाट बनाने के लिए इसमें काला नमक, चाट मसाला, मिर्च, भुना जीरा पाउडर, टमाटर और कटे हुए आलू डालें। ऊपर से हरे धनिए की चटनी और नींबू का रस। सारी चीजों को चम्मच की मदद से अच्छी तरह मिला लें। चाट में ऊपर से सरसों या जैतून का तेल भी डाला जा सकता है। इससे स्वाद बढ़ जाता है। तैयार है चाट सर्व करने के लिए।

हंसना मना है

पति: काश! मैं गणपति होता, तुम रोज मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता। पत्नी: हां, काश तुम गणपति होते, मैं रोज लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता!

हम तो ऐसे ही उदासी में बैठे-बैठे पानी में पत्थर मार रहे थे, अचानक से एक मेंढक निकला और बोला, पानी में तो आ, तेरी उदासी उतारूं। तेरी वाली के चक्कर में तूने, मेरी वाली का सर फोड़ दिया।

लड़का और लड़की एक रेस्टोरेंट गए, वेटर: म्याम, आप कुछ लेंगी? लड़की: भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना। वेटर: क्या? लड़का: गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

सांता: डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर: 50 हजार सांता: अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर: साले, पिघला कर चिपका भी लेना।

कहानी: बगुला भगत और केकड़ा

एक जंगल में आलसी बगुला रहा करता था। वह इतना आलसी था कि कोई काम करना तो दूर, उससे अपने लिए खाना ढूंढने में भी आलस आता था। जिससे पूरा-पूरा दिन उसे भूखा रहना पड़ता था। एक बार बगुला को एक आइडिया सूझा। वह नदी के किनारे एक कोने में जाकर खड़ा हो गया और मोटे-मोटे आंसू टपकाने लगा। उसे इस प्रकार रोता देख केंकड़ा उसके पास आया और पूछा, अरे बगुला भैया, क्या बात है? रो क्यों रहे हो? बगुला बोला, क्या बताऊं केंकड़े भाई, मुझे अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा है। अपनी भूख मिटाने के लिए मैंने आज तक न जाने कितनी मछलियों को मारा है। मैंने यह वचन लिया है कि अब मैं एक भी मछली का शिकार नहीं करूंगा। केंकड़े ने कहा, अरे ऐसा करने से तो तुम भूखे मर जाओगे। बगुले ने जवाब दिया, किसी और की जान लेकर अपना पेट भरने से तो भूखे पेट मर जाना ही अच्छा है, भाई। कल त्रिकालीन बाबा मिले थे और उन्होंने मुझसे कहा कि कुछ ही समय में 12 साल के लिए सूखा पड़ने वाला है, जिस कारण सब मर जाएंगे। केंकड़े ने यह बात तालाब के सभी जीवों को बता दी। बगुले भगत ने कहा, यहां से कुछ कोस दूर एक तालाब है। हम सभी उस तालाब में जाकर रह सकते हैं। वहां का पानी कभी नहीं सूखता। मैं एक-एक को अपनी पीठ पर बैठा कर वहां छोड़कर आ सकता हूं। उसकी यह बात सुनकर सारे जानवर खुश हो गए। अगले दिन से बगुले ने अपनी पीठ पर एक-एक जीव को ले जाना शुरू कर दिया। वह उन्हें नदी से कुछ दूर ले जाता और एक चट्टान पर ले जाकर मार डालता। कई बार वह एक बार में दो जीवों को ले जाता और भर पेट भोजन करता। उस चट्टान पर उस जीवों की हड्डियों का ढेर लगने लगा था। बगुला नें सोचा दुनिया भी कैसे मूर्ख है। इतनी आसानी से मेरी बातों में आ गए। एक दिन केंकड़े ने बगुले से कहा, बगुला भैया, तूम हर रोज किसी न किसी को ले जाते हो। मेरा नंबर कब आएगा? तो बगुले ने कहा, ठीक है, आज तुम्हें ले चलता हूं। यह कहकर उसने केंकड़े को अपनी पीठ पर बिठाया और उड़ चला। जब वो दोनों उस चट्टान के पास पहुंचे, तो केंकड़े ने वहां अन्य जीवों की हड्डियां देखी तो उसने बगुले से पूछा कि ये हड्डियां किसकी हैं और जलाशय कितना दूर है? बगुला जोर जोर से हंसने लगा और बोला, कोई जलाशय नहीं है और ये सारी तुम्हारे साथियों की हड्डियां हैं, जिन्हें मैं खा गया। यह बात सुनते ही केंकड़े ने बगुले की गर्दन अपने पंजों से पकड़ ली। कुछ ही देर में बगुले के प्राण निकल गए। इसके बाद, केंकड़ा लौट कर नदी के पास गया और अपने बाकी साथियों को सारी बात बताई। उन सभी ने केंकड़े को धन्यवाद दिया और उसकी जय जयकार की।

7 अंतर खोजें

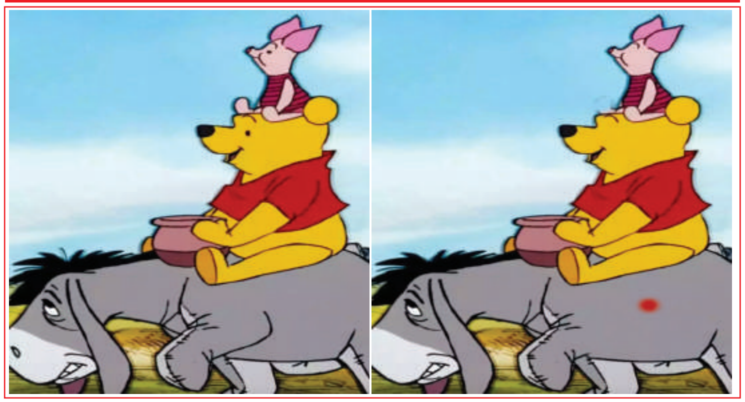

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ – मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन – व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क – कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह – शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा।

कन्या – भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला – व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक – प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु – आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर – यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ – आज मान-सम्मान के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी।

मीन – विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे बीमारी के बारे में बताने को मजबूर किया गया : सामंथा

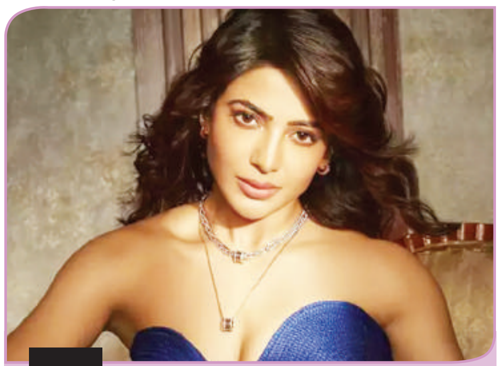

सामंथा रुथ प्रभु साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से एक हैं। सामंथा अपने अभिनय और फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। पिछले कुछ समय से सामंथा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। साल 2021 में सामंथा ने पति नागा चैतन्य से अलग होने का ऐलान किया था। पति से अलग होने के एक साल बाद एक्ट्रेस ने अपनी गंभीर बीमारी के बारे में बताया था। एक्ट्रेस ने बताया कि वह मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्हें बीमारी के बारे में बताने के लिए मजबूर किया गया था। सामंथा ने एक मीडिया इंटरव्यू में बताया है कि जब उन्हें बीमारी का खुलासा करने के लिए बोला गया था उस समय वह काफी दर्द में थी। उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया था। एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में आगे बोला कि वह नहीं चाहती थी कि वह लोगों को अपनी बीमारी के बारे में बताया, लेकिन मेकर्स के कहने पर उन्होंने ऐसा किया। सामंथा ने बताया है कि बीमारी की घोषणा करने के बाद लोगों ने उन्हें काफी ट्रोल किया, एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में बोला-मुझे लोगों ने सिम्पैथी क्वीन कहा था, एक एक्टर और इंसान के तौर पर मैं बहुत मॉर्डन हूं। अपने करियर की शुरुआत में ऑनलाइन गंदे आर्टिक्स देखती थी और परेशान रहती थी कि लोग मेरे बारे में क्या लिख रहे है, जितना लोगों ने मुझ पर आरोप लगाया मैंने सब पर सवाल उठाया। जब लोग दर्द में होते हैं तो उन्हें टारगेट किया जाता है। सामंथा की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। सामंथा जल्द ही सिटाडेल के हिंदी रिमेक में नजर आएंगी। सामंथा सिटाडेल में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। सामंथा लंबे ब्रेक के बाद स्क्रीन पर नजर आएंगी।

बड़े पर्दे पर बैड न्यूज दिखायेंगे विक्की-तृप्ति और एमी विर्क

विक्की कौशल ने सोमवार (18 मार्च) को अपनी नई फिल्म के बारे में अपडेट देकर फैंस को उत्साहित कर दिया है। विक्की ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बताया कि उनकी आगामी फिल्म में तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी नजर आने वाले हैं। अभिनेता की इस घोषणा के बाद अब फिल्म निर्माता करण जौहर ने इस फिल्म के नाम का एलान करते हुए इसका आधिकारिक मोशन पोस्टर साझा किया है।

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म का नाम बैड न्यूज रखा गया है, जिसे इस साल सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी चल रही है। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का एलान करते हुए करण ने लिखा, सबसे मनोरंजक हंगामा के लिए तैयार हो जाइए। इस पोस्टर में उन्होंने यह भी बताया कि यह कॉमेडी फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म को 19 जुलाई 2024 बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा।

पिछले साल विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की कई तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थीं, जिसमें दोनों एक साथ गाने की शूटिंग करते हुए नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन बंदिश बैंडिट्स बना चुके निर्देशक आनंद तिवारी ने किया है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो तृप्ति डिमरी एनिमल की सफलता के बाद मौजूदा समय में कई फिल्मों में काम कर रही है। हाल ही में उन्होंने कार्तिक आर्यन के साथ भूल-भुलैया-3 की शूटिंग शुरू की है। दूसरी ओर विक्की कौशल जल्द ही छावा नाम की फिल्म में मुख्य किरदार निभाते दिखेंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें वे रश्मिका मंदाना के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म संभाजी महाराज की बहादुरी, बलिदान और युद्धकालीन रणनीतियों के बारे में बात करेगी।

एजाज खान-दिव्यांका त्रिपाठी की अदृश्यम का दमदार ट्रेलर रिलीज

दिव्यांका त्रिपाठी दहिया और अभिनेता एजाज खान की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज अदृश्यम का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। सीरीज के निर्माताओं ने सोमवार, 19 मार्च को इसका दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म सोनी लिव इंस्टाग्राम हैंडल पर सीरीज का ट्रेलर वीडियो साझा किया, जिसे देख फैंस उत्साहित हो गए। इसके साथ ही निर्माताओं ने सीरीज की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। ट्रेलर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, अनदेखे नायक, गुमनाम लड़ाइयां, हमारे देश को सुरक्षित रखने वाले अभिभावक रवि वर्मा से मिलें। अदृश्यम- द इनविजिबल हीरोज। निर्माताओं का कहना है कि यह शो दर्शकों को एक जासूस के जीवन और चुनौतियों की यात्रा पर ले जाएगा, जो जासूसी थ्रिलर जॉनर को एक नई सोच और नया नजरिया देगा।

सीरीज में दिव्यांका और एजाज उन नागरिकों की भूमिका निभाते हैं, जिनकी गुप्त पहचान होती है। सस्पेंस से भरपूर यह सीरीज अप्रैल में डिजिटल रूप से रिलीज होने के लिए तैयार है। यह सीरीज 11 अप्रैल से सोनी लिव पर रिलीज होगी। सीरीज में दिव्यांका ने इंस्पेक्टर पार्वती सहगल का किरदार निभाया है। एजाज खान ने रवि वर्मा की भूमिका निभाई है। अभिनेता एजाज खान ने सीरीज में अपने किरदार को लेकर उत्साह भी जाहिर किया। एजाज ने अपने रोल को लेकर कहा, अदृश्यम मेरे लिए एक ऐसा किरदार निभाने का बहुत ही रोमांचक अवसर लेकर आया है, जिसका अपने देश के लिए प्यार हर चीज से ऊपर है। रवि वर्मा अपने देश की रक्षा के लिए ताकत, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं और उन अनदेखे नायकों की कहानी पेश करते हैं जो हफ्ते के सातों दिन 24 घंटे लोगों के लिए काम करते हैं।

अजब-गजब | मोंटेनेग्रो की राजधानी पॉडगोर्सिया के मौजू दिनोसा गांव में है यह पेड़

पेड़ से गिरता है झरने जैसा पानी, 30 साल से हो रहा है ऐसा, वजह कोई नहीं जान पाया

आपने दुनिया के कोने-कोने में मौजूद अजीबोगरीब चीज़ों के बारे में सुना होगा। हो सकता है कुछ को आपने देखा भी हो, लेकिन इसमें से कुछ ऐसी होती हैं, जिनके बारे में हम सुनकर ही दंग रह जाते हैं। सोशल मीडिया के जरिये इन चीजों के वीडियो भी अब हमें देखने को मिल जाते हैं। एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त चर्चा में हैं, जिसमें एक पेड़ से किसी झरने की तरह पानी फूट रहा है।

पहाड़ी से झरना फूटना आम बात है लेकिन अगर किसी पेड़ से झरना फूट पड़े, तो आश्चर्यचकित होना बनता है। इस वक्त सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो आपको चकित कर देगा। ये पेड़ यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो में है। यहां करीब 30 सालों से एक पेड़ से रहस्यमय तरीके से पानी गिरता रहता है। इसकी सही वजह किसी को भी नहीं पता है।

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक पेड़ से किसी झरने की

तरह पानी की धार फूट रही है और ये धारा इतनी मोटी और लगातार निकलती है कि लगता है ये कोई झरना या फव्वारा है। बताया जाता है कि पहली बार ये 1990 के दशक में दिखाई दिया और तब से साल में एक बार पेड़ से पानी निकलने की ये घटना दिखाई ही देती है।

मोंटेनेग्रो की राजधानी पॉडगोर्सिया में मौजू दिनोसा गांव में ये पेड़ है। बताते हैं कि ये 100 से 150 साल पुराना है और पेड़ के करीब 5 फीट ऊंचाई पर मौजूद तने से पानी की धार निकलती है।

वैसे तो पेड़ में बहार और पतझड़ के मौसम में पानी कहां से गिरने लगता है, ये किसी को नहीं पता लेकिन माना ये जाता है कि ये पेड़ के नीचे बहने वाली छोटी नदी का कमाल है। जब लगातार बारिश से नदी में पानी उफान पर आता है तो पेड़ के खोखले तने से होकर ऊपर बहने लगता है। इसके अलावा इसका कोई और सोर्स समझ में नहीं आता लेकिन ये काफी अजीब दिखने वाली घटना लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रहती है।

रेस्टोरेंट की अजीबोगरीब सर्विस धूप खानी है तो देने होंगे 900 रुपये

दुनिया में बहुत से अलग-अलग होटल और रेस्टोरेंट होते हैं। सभी की अपनी खासियत और खूबी होती है। यहां आने वाले लोग उनकी इसी क्वालिटी को देखने और एंबियंस को महसूस करने के लिए वहां पहुंचते हैं। एक ऐसे ही स्पैनिश रेस्टोरेंट में आने वाले ग्राहक तब हैरान रह गए, जब उन्हें बिल के साथ एक बेहद अजीब चार्ज दिखाई दिया। आज की दुनिया में सारी चीज़ें पैसे से मिल रही है, बस सूरज की गर्मी और हवा ही फ्री में मिल रहा है। कहीं-कहीं तो स्वच्छ हवा के भी पैसे लगते हैं। बताइए, जो चीज़ हम फ्री में लेते हैं, एक रेस्टोरेंट उसके भी पैसे वसूल रहा है। सुनकर आपको भले ही अजीब लगे लेकिन स्पेन के एक शहर स्द्द्दद्दद्द में टूरिस्ट्स से धूप में बैठने के भी पैसे वसूले जा रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी स्पेन के सेविले शहर में घूमने आने वालों को एक अलग ही परिस्थिति से जूझना पड़ रहा है। यहां के रेस्टोरेंट्स में पर्यटकों से पूछा जाता है कि वो धूप में बैठकर खाना खाना पसंद करेंगे? चूंकि स्पेन में ठंड होती है, ऐसे में हर कोई ऐसा करना चाहेगा लेकिन उन्हें आइडिया नहीं होता कि इसके बदले उनके 8.50 यानि भारतीय मुद्रा में 897 रुपये देने पड़ेंगे। यही वजह है कि पर्यटक ऐसे रेस्टोरेंट्स के लिए गंदा रिव्यू लिख रहे हैं और ये स्थानीय लोगों को भी बुरा लगता है। दिलचस्प बात ये है कि जैसे ही पर्यटकों को पता चलता है कि सिर्फ धूप में बैठकर खाने के लिए उन्हें इतने पैसे देने पड़ेंगे, वो ये आइडिया तुरंत ही ड्रॉप कर देते हैं। रेस्टोरेंट्स में ज्यादातर धूप में रखी टेबल्स खाली ही रहती हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह का बिजनेस अच्छा नहीं है, बेहतर है कि वो ये टेबल्स वो घर पर ही रख लें, ताकि लोग वहां बैठकर धूप ले सकें। वहीं रेस्टोरेंट का कहना है कि इस प्रीमियम सर्विस के बारे में उन्होंने साफतौर पर लिख रखा है।

देश की आवाज सुनकर तैयार किया गया घोषणापत्र : राहुल

पांच न्याय और 25 गारंटी वाला होगा कांग्रेस का घोषणापत्र

घर-घर गारंटी रहेगा पार्टी का मंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है देश को परेशानियों से निकालने के लिए इस बार पार्टी अपने घोषणा पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटी की घोषणा करेगी। वहीं उन्होंने कहना है कि यह दस्तावेज उसके लिए न्याय पत्र है जिसे वह घर-घर गारंटी के मंत्र के साथ देश के हर मतदाता तक पहुंचाने का प्रयास करेगी।

कांग्रेस घोषणापत्र में जिन पांच न्याय और 25 गारंटी का प्रमुख रूप से उल्लेख होगा उनकी घोषणा भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान की गई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में हमारे 5 न्याय और 25 गारंटियों समेत पार्टी के घोषणापत्र पर गहन चर्चा हुई। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से हम लगातार गांव-गांव, गली-गली लोगों के बीच गए और देश की आवाज़ सुनी। हमने लोगों के साथ हो रहे अन्याय और उनके जीवन के संघर्षों को करीब से जाना और समझा। उन्होंने कहा, इसीलिए हमारा घोषणा पत्र और गारंटी महज़ दस्तावेज नहीं, करोड़ों देशवासियों के साथ हुए संवाद से निकला रोडमैप है, जो रोज़गार क्रांति और अधिकारपूर्ण भागीदारी के माध्यम से हर वर्ग का जीवन बदलने जा रहा है।

जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे

राहुल गांधी का कहना है, हम 5 न्याय का संकल्प लेकर किसानों, युवाओं, श्रमिकों, महिलाओं और वंचितों के बीच जाएंगे और सीधे तौर पर लोगों के जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस की गारंटियां देशवासियों के जीवन में खुशहाली लाने का संकल्प है। कांग्रेस के अनुसार, उसका घोषणापत्र पार्टी के पांच न्याय हिस्सेदारी न्याय , किसान न्याय , नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय-पर आधारित होगा। पार्टी ने युवा न्याय के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है उनमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपए देने का वादा शामिल है। पार्टी ने हिस्सेदारी न्याय के तहत जाति जनगणना कराने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की गारंटी दी है। उसने किसान न्याय के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा, कर्ज माफी आयोग के गठन तथा जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है। कांग्रेस ने श्रमिक न्याय के तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार देने, न्यूनतम मजूदरी 400 रुपए प्रतिदिन सुनिश्चित करने और शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया है। उसने नारी न्याय के अंतर्गत महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपए प्रति वर्ष देने समेत कई वादे किए हैं।

सीईसी ने करीब 30 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने विभिन्न राज्यों के करीब 30 संसदीय क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई। पार्टी उम्मीदवारों की तीसरी सूची जल्द जारी हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और चंडीगढ़ में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई तथा करीब 30 नामों को मंजूरी दी गई। सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने पश्चिम बंगाल के उत्तरी और मध्य हिस्से में आने वाली सीटों पर चर्चा की और विशेष रूप से वाम दलों के साथ गठबंधन की संभावना के मद्देनजर चर्चा की गई। पार्टी के एक नेता ने कहा, पश्चिम बंगाल में हम इस पर विचार कर रहे हैं कि कौन सीट कांग्रेस के लिए बेहतर है और किन सीट पर वाम दल मजबूत हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता वाली सीईसी की बैठक में पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और सीईसी के कई अन्य सदस्य शामिल हुए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बैठक में मौजूद नही थे। सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने अपने दोनो वर्तमान सांसदों अधीर रंजन चौधरी और अबू हासिम खान चौधरी को फिर से उम्मीदवार बना सकती है। अधीर रंजन बहराम पुर और अबू हासिम खान मालदा दक्षिण से सांसद हैं।

खरगे जल्द जारी करेंगे पत्र

कांग्रेस कार्य समिति ने इस घोषणापत्र के मसौदे पर साढ़े तीन घंटे की चर्चा के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इसे मंजूर करने और जारी करने की तिथि निर्धारित करने के लिए अधिकृत किया।

इंडिया गठबंधन के साथ कश्मीर में तीनों सीट पर लड़ेगी नेकां : फारूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ है। प्रदेश में गुपकार गठबंधन (पीएजीडी) भी कायम है। उनकी पार्टी कश्मीर में तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। प्रदेश की बाकी दो सीटों पर गठबंधन के साथ बातचीत की जा रही है।

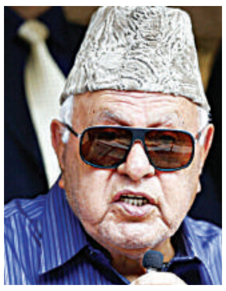

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पिछले चुनाव में तीन सीटें जीती हैं। यह जीती हुई तीनों सीटें इंडिया गठबंधन की ही सीट हैं। इस बार भी इन तीनों सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों की तरफ से चुनाव लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का मकसद सिर्फ सीट ही नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बनाया गया गुपकार गठबंधन (पीएजीडी) भी बना हुआ है। आगामी दिनों में इसकी बैठक होगी।

गठबंधन की तलाश में 'अपनी पार्टी' आजाद का मिल सकता है साथ

लोकसभा चुनावों के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी की श्रीनगर मुख्यालय में एक बैठक हुई। इसमें नेताओं ने राजनीतिक सहित संसदीय क्षेत्रों से आए फीडबैक पर गहन चर्चा की। साथ ही समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए पार्टी अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी को अधिकृत किया। जारी बयान में नेताओं ने जम्मू-कश्मीर की वर्तमान राजनीतिक स्थिति के बारे में चर्चा कर चुनावी रणनीति तैयार की। पार्टी नेताओं ने आगामी चुनावों के विभिन्न पहलुओं के संबंध में दृष्टिकोण और विचार साझा किए।

डीएमके ने जारी किया मेनीफेस्टो उम्मीदवारों के नाम का भी एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। साथ ही उन्होंने अपना घोषणा पत्र भी जारी किया है। बता दें कि डीएमके ने नीलगिरी से ए. राजा को टिकट दिया है जबकि थूथुकुडी से कनिमोझी को उम्मीदवार बनाया है।

जबकि थूथुकुडी से कनिमोझी को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही सीएम एमके स्टालिन, डीएमके सांसद कनिमोझी और अन्य पार्टी नेताओं की मौजूदगी में डीएमके ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र भी जारी कर दिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएके प्रमुख एमके स्टालिन ने कहा- डीएमके चुनाव से पहले जो अपने घोषणापत्र में कहती है, हम उसे ही करते हैं। हमारे नेताओं ने हमें यही सिखाया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि कनिमोझी ने बताया हम पूरे राज्य में गए और विभिन्न लोगों की बातें सुनीं। यह न केवल डीएमके का घोषणापत्र है, बल्कि लोगों का घोषणापत्र है। 2014 में जब भाजपा सत्ता में आई तो उन्होंने भारत को बर्बाद कर दिया। कोई भी चुनावी वादा पूरा नहीं हुआ। हमने इंडिया गठबंधन बनाया है और हम 2024 में अपनी सरकार बनाएंगे। हमारे घोषणापत्र में हमने तमिलनाडु के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की है और इस घोषणापत्र में हर जिले के लिए योजनाएं दी गई हैं। डीएमके ने उत्तरी चेन्नई से कलानिधि वीरास्वामी, दक्षिणी चेन्नई से थमिझाची थंगापांडियन, मध्य चेन्नई से दयानिधि मारन, श्रीपेरुम्बुदुर से टीआर बालू, तिरुवनमलाई से अन्नादुरई, नीलगिरी से ए. राजा और थूथुकुडी लोकसभा सीट से कनिमोझी को टिकट दिया है।

केंद्रीय मंत्री करंदलजे के बयान पर भड़के स्टालिन

विवाद के बाद केंद्रीय मंत्री ने तमिलियों वाली टिप्पणी के लिए माफी मांगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया जब बीजेपी नेता ने कहा कि तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में बम रखा था। जहां स्टालिन ने उनकी टिप्पणियों की निंदा की और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की, वहीं करंदलाजे ने पलटवार करते हुए कहा कि स्टालिन तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। हालाँकि, उन्होंने अपनी टिप्पणी के लिए माफ़ी मांगी, बाद में कहा कि यह प्रकाश चमकाने के लिए था, छाया डालने के लिए नहीं।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि रामेश्वरम विस्फोटों के पीछे के हमलावर को तमिलनाडु के कृष्णागिरी जंगलों में आपकी (स्टालिन की) नाक के नीचे प्रशिक्षित किया

गया था। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए एक वीडियो में शोभा को यह कहते हुए सुना जा सकता है, तमिलनाडु के लोग यहां आते हैं, वहां प्रशिक्षण लेते हैं और यहां बम लगाते हैं। एक्स पर करंदलाजे के वायरल वीडियो को रीट्वीट करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनकी टिप्पणी की निंदा की और भाजपा नेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

भाजपा की नीति गंदी व विभाजनकारी

स्टालिन ने उनके दावों को लापरवाह करार दिया और कहा कि केवल एनआईए अधिकारी या मामले से करीबी तौर पर जुड़े किसी व्यक्ति को ही कोई टिप्पणी करने का अधिकार होना चाहिए। स्टालिन के ट्वीट में कहा गया, स्पष्ट रूप से, उनके पास इस तरह के दावों के लिए अधिकार की कमी है। तमिल और कन्नडिगा समान रूप से भाजपा की इस विभाजनकारी बयानबाजी को खारिज कर देंगे। मैं शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा पैदा करने के लिए शोभा के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई का भी आग्रह करता हूं। प्रधानमंत्री से लेकर कैडर तक, भाजपा में सभी को तुरंत इस गंदी विभाजनकारी राजनीति में शामिल होना बंद कर देना चाहिए। ईसीआई को इस नफरत भरे भाषण पर ध्यान देना चाहिए और तुरंत कड़ी कार्रवाई शुरू करनी चाहिए।

आईपीएल के शुरुआती दो मैच में नहीं खेलेंगे सूर्या

» फिर एक बार फिटनेस का आंकलन किया जायेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से फिटनेस मंजूरी मिलना बाकी है जिससे निश्चित है कि वह 24 मार्च को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरूआती मैच में नहीं खेल पायेंगे। दुनिया के नंबर एक टी-20 बल्लेबाज सूर्यकुमार 'स्पोर्ट्स हर्निया' की सर्जरी के बाद उबरने और 'रिहैबिलिटशेन' के लिए बेंगलुरु स्थित एनसीए में थे। दिसंबर से क्रिकेट से बाहर रहे सूर्यकुमार का एनसीए में फिटनेस टेस्ट भी कराया गया लेकिन पीटीआई को लगता है कि इस 33 साल के खिलाड़ी के फिटनेस के आकलन की जरूरत है।

सूर्यकुमार का गुरुवार को फिर एक बार आकलन किया जायेगा। मुंबई इंडियंस के 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, एक अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और सात अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उनकी भागीदारी बाद में तय की जायेगी। सूर्यकुमार ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक अस्पष्ट संदेश पोस्ट किया जिसमें 'दिल टूटने वाली इमोजी' बनी हुई थी।

ऋषभ पंत होंगे दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान

ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी चरण के लिए दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान नियुक्त किया गया। दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना का शिकार होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज पंत 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे। दिल्ली कैपिटल्स के अध्यक्ष और सह मालिक पार्थ जिंदल ने कहा कि हमें अपने कप्तान के रूप में ऋषभ का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। धैर्य और निडरता हमेशा उनके क्रिकेट में अहम रही है। हम नये जोश और उत्साह के साथ नये सत्र का इंतजार कर रहे हैं और मैं उन्हें एक बार फिर हमारी टीम को मैदान पर ले जाते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकता। इससे पहले बीसीसीआई ने पंत को इस साल के आईपीएल में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में खेलने के लिए मंजूरी दे दी थी।

चुनाव से पहले नेताओं का आना-जाना जारी

नीतीश कुमार को एक और झटका अजय व फातिमी ने छोड़ी जदयू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की पहले चरण की अधिसूचना जारी हो गई है। इस बीच उत्तर से लेकर दक्षिण तक नेताओं के आने जाने का सिलसिला भी तेज हो गया। भाजपा हो, कांग्रेस हो या कोई अन्य दल सबमें आवाजाही लगी हुई। उधर चुनाव से पहले बिहार के सीएम नीतीश कुमार को एक और झटका लगा है।

जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ अजय कुमार ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। इसे लेकर डॉ कुमार ने बताया कि पार्टी में प्रजापति समाज को राजनीतिक स्तर पर उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के नेतृत्व में पटना के बाबू सभागार में आयोजित सम्मेलन में मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया था। लेकिन वे समाज को उपेक्षा करते हुए इसमें शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि इन सभी कारणों से आहत होकर मैं इस्तीफा दे रहा हूं। इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री व जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अली अशरफ फातिमी ने जदयू से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपना त्यागपत्र मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भेज दिया। अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा कि वह नैतिक मूल्यों की वजह से जदयू को छोड़ रहे हैं। अली अशरफ फातिमी के बारे में यह चर्चा है कि वह फिर से राजद का दामन थाम सकते हैं। वह मधुबनी या फिर दरभंगा से जदयू की टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते थे।

राज्यपाल से भाजपाई हुईं तमिलिसाई सुंदरराजन

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने बुधवार को एक बार फिर भाजपा का हाथ थाम लिया है। उन्होंने दो दिन पहले ही राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया था। पुडुचेरी के राजभवन की तरफ से जारी बयान में उन्होंने इस केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल पद छोड़ने की भी जानकारी दी थी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया था, तेलंगाना की माननीय राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा भारत की माननीय राष्ट्रपति को भेज दिया गया है। अपने इस्तीफे के एलान के कुछ देर बाद उन्होंने कहा था कि उनके ऊपर ऐसा करने का कोई दबाव नहीं था। अब वह जनसेवा करना चाहती हैं। उन्होंने कहा था कि राज्यपाल के रूप में उन्होंने अपने कार्यकाल का आनंद लिया है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया था कि उनका अगला कदम क्या होगा और क्या वह आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगी? इस पर उन्होंने कहा था कि वह अपनी योजनाओं के बारे में बाद में बताएंगी।

झुकना झारखंडी के डीएनए में नहीं : कल्पना सोरेन

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर कल्पना सोरेन ने प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने कहा कि स्वर्गीय दुर्गा दा (सीता सोरेन के पति) केवल हमारे बड़े भाई नहीं बल्कि पिता समान अभिभावक थे। उन्होंने आगे कहा कि किसी के सामने झुकना झारखंडी के डीएनए में नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कल्पना सोरेन ने बताया कि हेमंत सोरेन राजनीति में आना नहीं चाहते थे। हेमंत जी के लिए स्वर्गीय दुर्गा दा केवल बड़े भाई नहीं थे, बल्कि पिता समान अभिभावक थे। 2006 में शादी के बाद इस परिवार का हिस्सा बनकर मैंने हेमंत जी का बड़े भाई के प्रति सम्मान और समर्पण और दुर्गा दा का हेमंत के लिए प्यार देखा। पूर्व सीएम की पत्नी ने कहा कि जेएमएम पार्टी का जन्म समाजवाद और वामपंथ विचारधारा के समन्वय से हुआ है और यह सभी गरीबों की आवाज बनकर झारखंड में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा, हेमंत जी जेल गए। वह उसी ताकत से लड़ रहे हैं, जिस ताकत से बाबा और स्वर्गीय दुर्गा दा ने पूंजीवादों और सामंतवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। वे झुके नहीं थे। वैसे भी झारखंड समाज में हमने कभी भी पीठ दिखाकर या समझौता करके आगे बढ़ना नहीं सीखा है। झुकना झारखंडी के डीएनए में नहीं है।

सांप के जहर सप्लाई मामले में दो और गिरफ्तार

» नोएडा पुलिस ने जांच की तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एल्विश यादव के बाद नोएडा पुलिस ने सांप के जहर मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मामले के सिलसिले में ईश्वर और विनय नाम के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एल्विश यादव के बाद नोएडा पुलिस ने सांप के जहर मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मामले के सिलसिले में ईश्वर और विनय नाम के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी है। मामले में कई और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। नोएडा पुलिस पूछताछ के लिए कई बड़े नामों को नोटिस दे सकती है। मामले में अब तक सात को गिरफ्तार किया जा चुका है। 17 मार्च को, एल्विश को पांच अन्य लोगों के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और सभी पर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 120 ए (आपराधिक साजिश) के तहत आरोप लगाए गए। एल्विश को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एल्विश ने यह भी स्वीकार किया कि वह राहुल (सपेरे) सहित सभी गिरफ्तार आरोपियों से अलग-अलग रेव पार्टियों में मिला था और उनसे परिचित था।

पंजाब : जहरीली शराब पीने से चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संगरूर। पंजाब के संगरूर दिड़बा के नजदीकी गांव गुज्जरां में 150-150 रुपये में खरीदी शराब की पीने से छह व्यक्तियों की हालत बिगड़ गई। इनमें से जहां चार व्यक्तियों की मौत हो गई, वहीं दो सिविल अस्पताल संगरूर में जिंदगी व मौत के बीच जुझ रहे हैं। सभी व्यक्ति गांव में ही दिहाड़ी-मजदूरी करने वाले हैं व गांव के ही किसी व्यक्ति से सस्ती शराब खरीदी थी। मरने वालों में दो सगे भाई है।

जानकारी अनुसार गांव में दिहाड़ी मजदूरी का काम करने वाले आधा दर्जन व्यक्तियों ने सोमवार व मंगलवार को गांव में अवैध तौर पर शराब बेचने वाले किसी व्यक्ति से शराब खरीदी थी। यह शराब पीने से निर्मल सिंह पुत्र जोरा सिंह (45), वीरपाल सिंह व जग्गी सिंह की सेहत खराब हो गई। जिन्हें बुधवार सुबह चार बजे के करीब सिविल अस्पताल संगरूर लाया गया, जहां हालत गंभीर होने के कारण निर्मल सिंह की मौत हो गई।

रिजिजू को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया

» पशुपति पारस के इस्तीफे के बाद खाली था पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन ने आज (20 मार्च) एक बयान में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

पारस ने मंगलवार (19 मार्च) को इस्तीफा दे दिया क्योंकि उन्होंने भाजपा पर बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे समझौते से बाहर करके उनकी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया था। उनकी घोषणा एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग द्वारा अपने सीट-बंटवारे समझौते की घोषणा के एक दिन बाद आई और उनके गुट के दावों को नजरअंदाज करते हुए चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपी (रामविलास) को पांच सीटें दी गईं। राष्ट्रपति भवन के बयान में कहा गया, भारत के राष्ट्रपति ने, प्रधान मंत्री की सलाह के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिपरिषद से पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में टीएमसी अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत मिल गई है। दरअसल, ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया है कि उन्हें 10 जुलाई तक कोई समन नहीं दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में अभिषेक बनर्जी के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्हें डायमंड हार्बर से लोकसभा चुनाव लड़ना है, उनके क्षेत्र के लिए 1 जून को मतदान होगा और इस वजह से उन्हें कैंपेन में ध्यान देने की जरूरत है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ईडी केस को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 10 जुलाई तक के लिए टाल दी है. सुप्रीम के आदेश में प्रवर्तन निदेशालय की दलील को भी रिकॉर्ड किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि तब तक बनर्जी को तलब नहीं किया जाएगा।

बता दें कि 10 जुलाई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाले में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी को राहत देने से इनकार कर दिया था और इस मामले को रद्द किए जाने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट के इस फैसले के बाद शिक्षक भर्ती घोटाले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ ईडी की जांच चलती रही है।

कांग्रेस आयकर विभाग के खिलाफ कोर्ट पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उसके खिलाफ कर पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही किए जाने के विरोध में बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस मामले का उल्लेख राजनीतिक दल के वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष किया, जो इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हुए।

पीठ में न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोरा भी शामिल हैं। वकील ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने चार साल का मूल्यांकन फिर से खोला है। साथ ही उन्होंने अदालत से याचिकाओं को बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तीन अलग-अलग वर्षों से संबंधित ऐसी तीन याचिकाएं आज सुनवाई के लिए पहले से ही सूचीबद्ध हैं। तत्काल सुनवाई का आग्रह स्वीकार करते हुए पीठ ने कहा, ठीक है अगर दोपहर साढ़े 12 बजे तक क्र म में है, तो इसे कल के लिए सूचीबद्ध करें। हाल में दिल्ली उच्च न्यायालय ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।